Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–7309

PAPER–III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

संस्कृत-परम्परागत-विषयः

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

प्रश्नपत्रम्—III

प्रश्न-पत्र—III

PAPER—III

टिप्पणी : अस्य प्रश्नपत्रस्य शतद्वयम् (200) अङ्काः सन्ति एवम् अस्मिन् चत्वारि (4) खण्डानि सन्ति। अभ्यर्थिभिः एषु समाहितानां प्रश्नानामुत्तरं पृथग्विहिताविस्तृत निर्देशानुसारं देयम्।

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

खण्डम् – I
खण्ड – I
SECTION - I

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे निम्नाङ्कितानुच्छेदामाश्रित्य पञ्च **(5)** प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकम्प्रश्नः प्रायः स्योत्तरं त्रिंशत् **(30)** शब्दैः समपेक्ष्यते। प्रत्येकम्प्रश्नः **(5)** पञ्चाङ्कोऽस्ति। **(5x5=25 अंङ्काः)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच **(5)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्नका उत्तर लगभग तीस **(30)** शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच **(5)** अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Note : This section contains five **(5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty **(30)** words and each carries five **(5)** marks. **(5x5=25 marks)**

अस्ति मालवविषये पद्मगर्भाभिधानं सरः। तत्रैको वृद्धबकः सामर्थ्यहीन उद्विग्नमिवात्मानं दर्शयित्वा स्थितः। स च केनचित्कुलीरेण दूरादेव पृष्टः। किमिती भवानत्र आहारपरित्यागेन तिष्टति। बकेनोक्तम्–भद्र शृणु। मत्स्या मम जीवनहेतवः। मत्स्याश्चावश्यमत्र कैवैर्तः व्यापादयितव्या इति नगरोपान्ते पर्यालोचना मयाकर्णिता। तदतो वर्तनाभावाद स्मन्मरणमुपस्थितमिति ज्ञात्वाहारस्यापि निरादरः। ततः सर्वैर्मत्स्यै रालोचितम्। इह् समये तावद्र उपकारक ऽवायमस्माकमिति लक्ष्यते। तदयमेव यथाकर्तव्यं पृच्छ्यताम्। तथा चोक्तम् –

उपकर्त्रारिणा सन्धिर्न मित्रेणापकारिणा।
उपकारापकारौ हि लक्ष्य लक्षणमेतायोंः।।

मत्स्या ऊचुः– कोऽत्र रक्षोपायः? बको ब्रूते–अस्ति रक्षहेतुर्जलाशयान्त राश्रयणम्। तत्राहं युष्मान्नयामि। मत्स्यैर्भयादुक्तम्–एवमस्तु। ततोऽसौ दुष्ट बकस्तान्मत्स्यानेकैकशो नीत्वाभक्षयत्। अनन्तरं कुलीरस्तमुवाच–भो बक मामपि तत्र नय। ततो बको ऽप्यपूर्वकुलीरमांसार्थी सादरं तं नीतवान्। अथ बकेन स्थले नीत्वा धृतः कुलीरो मत्स्य कङ्कालाकीर्णं भूतलमवलोक्याचिन्तयत्–हा हतोऽस्मि मन्दभाग्यः। भवतु इदानीं समयोचितं व्यवहरामि। यतः

तावद्भयस्य भेतव्यं यावन्न भयमागतम्।
आगतं तु भयं वीक्ष्य प्रहन्तव्यमभीतवत्।।

इत्यालोच्य स कुलीरस्तस्य बकस्य ग्रीवां चिच्छेद।।

1. वृद्धबककुलीरयोः समागमः कुत्र कथं समजनि?

2. बक: आहारस्य निरादरे कां युक्तिं वर्णयति ?

3. अरिमित्रयो: उपकारापकारयोश्च सम्बन्ध: कथं स्वीकार्य: ?

4. वृद्धबकः केनोपायेन मत्स्यानभक्षयत् ?

5. बकवधेन कुलीरः कं सन्देशं ददाति ?

खण्डम् – II

खण्ड – II

SECTION - II

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे **(5)** पञ्चाङ्कात्मका: पञ्चदश **(15)** प्रश्ना: सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य उत्तरं प्राय: त्रिंशत् **(30)** शब्दैरपेक्ष्यते। **(5x15=75 अंङ्का:)**

नोट : इस खंड में पाँच–पाँच **(5-5)** अंकों के पंद्रह **(15)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस **(30)** शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

Note : This section contains fifteen **(15)** questions each to be answered in about thirty **(30)** words. Each question carries five **(5)** marks.

(5x15=75 marks)

6. ग्रहाणाम् नीचोच्चराशिं निर्वर्ण्य नक्षत्र–राशि–ग्रहाणाम् पारस्परिक: सम्बन्ध निरुपणीय:।

ग्रहो की नीचोच्च राशियों का वर्णन करते हुए उसके तथा नाक्षत्रों और राशियों के परस्पर सम्बन्धों का निरुपण करें।

Determine the नीचे and उच्च राशि s of the ग्रह s and show the mutual relation among the नक्षत्र, राशि and ग्रह.

7. ग्रहाणां कक्षा: निरूप्यन्ताम्

ग्रहों की कक्षा का निरूपणे करें।

Discuss the कक्षाs of the ग्रहs

8. अधिकरणभेदान् सोदाहरणं प्रतिपादयत।

अधिकरण-भेधों का सोदाहरण प्रतिपादन कीजिए।

Explain the types of अधिकरण with examples.

9. व्याख्यायताम् – चार्थे द्वन्द्वः।
व्याख्या कीजिए – चार्थे द्वन्द्वः।
Explain - चार्थे द्वन्द्वः।

10. 'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' विविच्यताम्।
'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' विशद कीजिए।
Explain fully : 'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः'।

11. 'द्रव्याणि नवैव' सम्यग्व्याख्यात।

'द्रव्याणि नवैव' विशद व्याख्या कीजिए।

Explain fully : 'द्रव्याणि नवैव'।

12. 'प्रकृतिः कर्त्री' साङ्ख्यमते व्याख्यात।

'प्रकृतिः कर्त्री' साङ्ख्यमतानुसार विवेचन कीजिए।

Explain fully : साङ्ख्यऽ : 'प्रकृतिः कर्त्री'।

13. षाड्गुण्यं यथाशास्त्रं लिखत।

षाड्गुण्य यथाशास्त्र लिखिए।

Write a note on षाड्गुण्य according to शास्त्र

14. वेदभाष्यकारेपु, स्कन्दस्वामिनः वैशिष्टयमुपस्थापयत।

वेदभाष्यकारों में स्कन्दस्वामी का वैशिष्टय उपस्थापन कीजिए।

Show the speciality of स्कन्दस्वामिन् among the commentators of the Veda.

15. यजुर्वेदस्य काण्वशाखाया: परिचयमुपस्थापयत।

यजुर्वेद की काण्वशाखा का परिचय दीजिए।

Give an account of the काण्वशाखा of the यजुर्वेद.

16. पण्डितराज जगन्नथोक्तं काव्यालक्षणं व्याख्यायताम्।

पण्डितराज जगन्नातोक्त काव्यलक्षण की व्याख्या कीजिए।

Explain the definition काव्य as given by पण्डितराज जगन्नाथ.

17. व्यतिरेकालङ्कारस्वरूपं निरुपयत।

व्यतिरेक-अलङ्कारस्वरूप का निरूपण कीजिए।

Explain the nature of व्यतिरेकालङ्कार.

18. भौतिकवादस्य परिचायकं विरचयत।

भौतिकवाद का परिचय दीजिए।

Give an account of भौतिकवाद।

19. अध्यासं सोदाहरणं विशदयत।

अध्यास का सोदाहरण विवरण कीजिए।

Explain अध्यास with examples.

20. पञ्चविद्या: का: ? विवृणुत।

पञ्चविद्याओं का विवरण कीजिए।

Explain पञ्चविद्याऽ।

खण्डम् – III
खण्ड – III
SECTION - III

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकेवर्ग:/विशेषज्ञतानुसारं पञ्च (5) प्रश्ना: सन्ति। अभ्यर्थिना केवलमेकमेवैच्छिक वर्गं/विशेषज्ञताम् आश्रित्य तस्मादेव प्रञ्च प्रश्ना: समाधेया:। प्रत्येकं प्रश्न: (12) द्वादशाङ्कात्मकोऽस्ति, एवं तदुत्तरं प्राय: शतद्वय (200) शब्दै:अपेक्ष्यते।

(12x5=60 अंङ्का:)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

फलितज्योंतिषम्

21. बालारिष्ट भङ्ग योगान् विविच्यताम्।
बालारिष्ट भङ्ग कारक योगों का विवेचन कीजिए।
Critically examine the बालारिष्ट भङ्गयोगs

22. सन्तानभावविचार: वर्णनीय:।
सन्तानभा वविचार का वर्णन करें।
Elaborate upon सन्तानभावविचार

23. विवाहस्थानं निरुप्यताम्।
विवाह स्थान का निरुपण करें।
Discuss विवाहस्थान.

24. विवाह मेलापकस्य सारिणीं निर्माय नाड़ीदोषफलं विशदयत।
विवाह मेलापक की सारिणी बनाकर नाड़ी दोष के फल का विशद विवेचन करें।
Elaborate upon नाडीदोषफल along with the table of विवाहमेलापक.

25. सन्तानसंख्यां जन्मकुण्डलीं निर्माय निर्णयत।
सन्तान संख्या जन्मकुण्डली बनाकर निर्णय करें।
Making the जन्मकुण्डली determine the number of children.

सिद्धान्तज्यौतिषम्

21. सावनदिनोपपत्तिं निर्वर्ण्यताम्।
सावनदिनोपपत्ति का वर्णन कीजिए।
Elaborate upon सावनदिनोपपत्ति.

22. चन्द्रग्रहस्य स्पष्टतया साधनं कुरुत।
चन्द्रग्रह का स्पष्ट साधन कीजिए।
Give the स्पष्टसाधन of चन्द्रग्रह.

23. दिक्साधनं विवृणुत।
दिक्साधन का वर्णन कीजिए।
Describe the दिक्साधन.

24. लग्नसाधनं विवृणुत।
लग्नसाधन का वर्णन करें।
Describe the लग्नसाधन.

25. ग्रहणफलं ग्रहणकारणञ्च विविच्यताम्।
ग्रहणफल और ग्रहण के कारणों का विवेचन करें।
Explain both the ग्रहणफल and ग्रहणकारण.

व्याकरणम्

21. स्फोटस्वीकारे युक्तिं प्रदर्श्य तस्य भेदा आलोचनीयाः।
स्फोटसाधक युक्तिवाद देकर स्फोट के भेद विशद कीजिए।
Explain the arguments for admitting स्फोट and discuss its types.

22. 'फलव्यापारयोर्धातुः'
_____व्याख्यायताम्।
_____व्याख्या कीजिए।
_____Explain.

23. अण्प्रत्ययः केषु केषु अर्थेषु भवतोति सोदाहरणं प्रतिपादयत।
किन अर्थों में अण्–प्रत्यय होता है उसकी सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
Explain within examples in which senses the suffix अण् is used.

24. सोदाहरणं कृत्यप्रत्यानां विवरणं दीयताम्।
'कृत्याप्रत्ययों' का सोदाहरण विवरण कीजिए।
Give an account of कृत्य suffixes with examples.

25. दृषृः शब्दः स्वरतो वर्णतो वा मिथ्याप्रयुक्तो न तमर्थमाह।
स वाग्वज्रो यजमानं हिनस्ति यथेन्द्रशत्रुः स्वरतोऽपराधात्।
_____ व्याख्यायताम्।
_____ व्याख्या कीजिए।
_____ Explain.

मीमांसा

21. नियमविधेः लक्षणं सोदाहरणं निरूपयत। अस्य महत्वं कस्य कृते आस्ति? स्पष्टीकरूत।
नियमविधि का लक्षण सोदाहरण बताइए। इसका महत्व किसके लिए है? स्पष्ट कीजिए।
Explain and illustrate नियमविधि For whom is this विधि important ? Explain.

22. 'अर्थवादः त्रिधा मतः' सोदाहरणं स्पष्टीकुरूत।
'अर्थवादः त्रिधा मतः' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
Explain with examples: 'अर्थवादः त्रिधा मतः'.

23. अन्विताभिधानवादं सोदाहरणं निरूप्य तस्य महत्वं विशदीकुरूत।
अन्विताभिधानवाध का सोदाहरण निरूपण कर उसका महत्व बताइए।
Explain अन्विताभिधानवाद with an example and state its significance.

24. 'लभ्यमाने फले हष्टे नादृष्टपरिकल्पना' सम्यग्विवेचयत।
'लभ्यमाने फले हष्टे नादृष्टपरिकल्पना' विशद कीजिए।
Discuss fully : 'लभ्यमाने फले हष्टे नादृष्टपरिकल्पना।

25. 'प्रकृतिवद्विकृतिः कर्तव्या' स्पष्टीकुरूत।
'प्रकृतिवाद्विकृतिः कर्तव्या' विशद कीजिए।
Explain fully : 'प्रकृतिवाद्विकृतिः कर्तव्या'.

नव्यन्यायः

21. 'पदार्थाः सप्त एव' इत्यत्र 'एव' पदस्य कोऽर्थः? सम्यक् स्पष्टीकुरुत।
'पदार्थाः सप्त एव' इस वाक्य में 'एव' शब्द का अर्थ क्या है? स्पष्ट कीजिए।
What is the meaning of 'एव' in the sentence 'पदार्थाः सप्त एव'? Explain fully.

22. 'परं चापरं चेति द्विविधं सामान्यम्' सोदाहरणं विवेचयत।
'परं चापरं चेति द्विविधं सामान्यम्' सोदाहरण विशद कीजिए।
Explain and illustrate : 'परं चापरं चेति द्विविधं सामान्यम्'।

23. 'अभावश्चतुर्विधः' विवेचयत।
'अभावश्चतुर्विधः' विशद कीजिए।
Explain : 'अभावश्चतुर्वीधः'.

24. 'ज्ञानाधिकरणम् आत्मा' सोदाहरणं व्याख्यात।
'ज्ञानाधिकारणम् आत्मा' सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
Explain with examples, 'ज्ञानाधिकरणम् आत्मा'।

25. अनुमानलक्षणं निरूप्य परार्थानुमानप्रक्रियां प्रतिपादयत।
अनुमान-लक्षण बताइए तथा परार्थानुमान की प्रक्रिया दीजिए।
Give the definition of अनुमान and state the process of परार्थानुमान.

सांख्ययोगौ

21. सांख्यमतानुसारेण प्रमाणानि विवृणुत।
सांख्यामत के अनुसार प्रमाणों का विवरण कीजिए।
Explain प्रमाणानि according to सांख्य.

22. प्रधानकारणवादं विशदयत।
प्रधानकारणवाद को विशद कीजिए।
Explain प्रधानकारणवाद.

23. सांख्याभिमतान् गुणान् विशदयत।
सांख्यसम्मत गुणों का विवरण कीजिए।
Explain the गुणाः as accepted by सांख्यs.

24. योगस्य अष्टाङ्गानि विवृणुत।
योग के आठ अङ्गों का विवरण कीजिए।
Explain the eight limbs of योग.

25. असम्प्रज्ञात समाधिस्वरूपम् उपपादयत।
असम्प्रज्ञात समाधिस्वरूप का उपपादन कीजिए।
Explain the nature of असम्प्रज्ञातसमाधि.

तुलनात्मकदर्शनम्

21. ईश्वरसाधिका युक्तय आलोच्यन्ताम्।
ईश्वरसाधक युक्तिवाद की आलोचना कीजिए।
Discuss the arguments for proving the existence of ईश्वर.

22. चार्वाकाभिमतं देहात्मवादं सम्यगुपपादयत।
चार्वाकों के अनुसार देहात्मवाद की आलोचना कीजिए।
Explain देहात्मवाद as admitted by the चार्वाकs.

23. आत्मनो बहुत्वमेकत्वं वा युक्तिसहमिति विचार्यताम्।
आत्मा का एकत्व युक्तिसंगत है कि बहुत्व इसका वीचार कीजिए।
Discuss whether it would be logical to consider the self as many or one.

24. असत्कार्यवाद उपपाद्यताम्।
असत्कार्यवाद की आलोचना कीजिए।
Critically establish असत्कार्यवाद.

25. परिणामवादविवर्तवादयोरन्तरं स्पष्टीकुरूत।
परिणामवाद तथा विवर्तवाद का भेद विशद कीजिए।
Clearly show the difference between the doctrine of परिणाम and the doctrine विवर्त.

शुक्लयजुर्वेदः

21. शुक्लयजुर्वेदानुषङ्गेन सामाजिकं जीवनं प्रतिपादयत।
शुक्लयजुर्वेद में प्रतिबिंबित सामाजिकजीवन का प्रतिपादन करें।
Describe the Social Life as
reflected in the शुक्लयजुर्वेद.

22. गृह्यसूत्राणामुपयोगितां विवेचयत।
गृह्यसूत्रों की उपयोगिता का विचार करें।
Examine the utility गृह्यसूत्रs.

23. वेदोऽखिलो धर्ममूलमित्युक्तेः यथार्थतां प्रतिपादयत।
'वेदोऽखिलो धर्ममूलम्' इस उक्ति का यथार्थता प्रतिपादन करें।
Justify the statement 'वेदोऽखिलो धर्ममूलम'

24. पारस्करगृह्यसूत्रानुसारं पञ्चमहायज्ञविधिं लिखत।
पारस्करगृह्यसूत्रानुसार पञ्चमहायक्षों का विधि लिखए।
Write down the rules of पञ्चमहायज्ञs according to पारस्कटगृह्यसूत्र.

25. किं नाम निरूक्तम्? तस्य महत्वं प्रतिपादपत।
निरुक्त क्या है? उसका महत्व. प्रतिपादन करें।
What is निरूक्त? Explain its importance.

मध्ववेदान्तः

21. माध्ववेदान्तानुसारेण आगमानामपौरूषेयत्वं स्थापयत।
माध्ववेदान्त के अनुसार आगमों का अपौरूषेयत्व स्थापित कीजिए।
Establish the अपौरूषेयत्व of आगमs according to माध्ववेदान्त.

22. माध्ववेदान्तानुसारेण प्रमाणलक्षणं सप्रभेदं निरूपयत।
माध्ववेदान्त के अनुसार प्रमाणलक्षण सप्रभेद निरूपित कीजिए।
Explain the definition and divisions of प्रमाण according to माध्ववेदान्न.

23. माध्ववेदान्तदिशा जीवब्रह्मणो: भेदं निरूपयत।
माध्ववेदान्त की दृष्टि से जीवब्रह्मभेद का विचार कीजिए।
Explain the difference between जीव and ब्रह्म according to माध्ववेदान्त.

24. 'तत्वमसि' इति वाक्यास्यार्थं माध्वदिशा विचारयत।
'तत्वमसि'-इस वाक्य के अर्थ पर माध्वदृष्टि से विचार कीजिए।
Explain the meaning of the sentence 'तक्ष्वर्मास according to माध्वs.

25. माध्ववेदान्तानुसारेण अनिर्वचनीयख्यातिं निरूपयत।
माध्ववेदान्त के अनुसार अनिर्वचनीयख्याति का निरूपण कीजिए।
Explain अनिर्वचनीयख्याति according to माध्ववेदान्त.

धर्मशास्त्रम्

21. विवाहभेदान् तत्-स्वरूपं च प्रतिपादयत।
विवाह के भेदों का निर्देश कर उनके स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।
Describe the types of विवाह and their nature.

22. पितृधनविभागकाल विचारं कुरूत।
पितृधनविभागकाल विचार कीजिए।
Elaborate upon पितृधनविभागकाल.

23. एकोद्दिष्टश्राद्धविधिं लिखत।
एकोद्दिष्टश्राद्धविधि का विवरण कीजिए।
Write down the rules for एकोद्दिष्टश्राद्धविधि.

24. प्रायाश्चित्तै: पापक्षयो भवति न वा विवेचयत।
प्रायश्चित्तों कें द्वारा पाप का क्षय होता है कि नहीं विचार करें।
Discuss whether पापक्षयcan result from प्रायश्चित्त.

25. पञ्चमहायज्ञान् प्रतिपादयत।
पञ्चमहायज्ञों का प्रतिपादन करें।
Discuss the five महायज्ञs.

साहित्यम्

21. काव्यप्रकाशमनुसृत्य काव्यप्रयोजनं विमृशत।
काव्यप्रकाश के अनुसार काव्यप्रयोजनों का विचार करें।
Discuss काव्यप्रयोजनs according to काव्यप्रकाश.

22. अभिहितान्वयवादं विवेचयत।
अभिहितान्वयवाद का विचार कीजिए।
Explain अभिहितान्वयवाद.

23. उत्तमकाव्यस्य लक्षण सुस्पष्टं लिखत।
उत्तमकाव्य के लक्षण को सुस्पष्ट लिखिए।
Clearly explain the definition of अत्तमकाव्य.

24. काव्यास्यात्मा ध्वनिरिति मतं स्थापयत।
'काव्यास्यात्मा ध्वनि'? इस मत की स्थापना कीजिए।
Establish the view that ध्वनि is the soul of poetry.

25. मम्मटोक्तदिशा रसानां संख्यां नामानि चोल्लिख्य तेषां स्थायीभावा उल्लेखनीया:।
मम्मट के अनुसार रसों की संख्या और नाम लिखकर उनके स्तायी भावों का उल्लेख कीजिए।
Mention the number and the names of रसs according to मम्मट and show their स्थायिभावs.

पुराणेतिहासौ

21. अग्निपुराणे वर्णितानां शास्त्राणां विवरणं दीयताम्।
अग्निपुराण में वर्णित शास्त्रों का विवरण कीजिए।
Give an according of the शास्त्रs described in the अग्निपुराण.

22. भारतीयेतिहासनिरूपणे पुराणानां महत्वं प्रतिपादयत।
भारतीय इतिहासनिरूपण में पुराणों के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।
Show the importance of the पुराणs in determining the history of India.

23. यथेष्टमवतारद्वयं विविच्यताम्।
किन्हीं दो अवतारों का वर्णन कीजिए।
Discuss any two अवतारs.

24. गृहस्थकर्तव्यानि सम्यगालोचयत।
गृहस्थ के कर्तव्यों की सभ्यक् आलोचना कीजिए।
Discuss the duties of a गृहस्थ.

25. महाभारतकालीनसमाजे स्त्रीणां स्थानं वर्णयत।
महाभारतकालीन समाज में नारी के स्थान का वर्णन कीजिए।
Describe the position of women in the society in the age of the महाभारत.

आगमः

21. कौलाचार परम्परां विवृणुत।
कौलाचार परम्परा का वर्णन कीजिए।
Describe the कौलाचारपरम्परा.

22. तन्त्रशास्त्रस्य परम्परां विवृणुत।
तन्त्रशास्त्र की परम्पराओं का वर्णन कीजिए।
Elaborate upon the tradition of तन्त्रशास्त्र.

23. मन्त्रस्य महत्वं प्रतिपाद्यताम्।
मन्त्र के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।
Explain the importance of मन्त्र.

24. मायास्वरूपं व्याख्यात।
माया के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।
Explain the nature of माया.

25. आगमशास्त्रस्य उपयोगितां प्रदर्शयत।
आगमशास्त्र की उपयोगिता प्रदर्शित कीजिए।
Explain the utility of आगमशास्त्र.

अद्वैतवेदान्तः

21. अद्वैतमतानुसारेण ब्रह्मणः जगदुपादानत्वं निमित्तत्वंच स्थापयत।
अद्वैतमत के अनुसार ब्रह्म का जगदुपादानत्व और निमित्तत्व स्थापित कीजिए।
Establish the जगदुपादानत्व and निमित्तत्व of ब्रह्म.

22. अद्वैतमतानुसारेण जीवस्वरूपं विचारयत।
अद्वैतमत के अनुसार जीवस्वरूप का विचार कीजिए।
Discuss the nature of जीव according to अद्वैतवेदान्त.

23. अद्वैतमतानुसारेण जगतः मिथ्यात्वं स्थापयत।
अद्वैतमत के अनुसार जगत् का मिथ्यात्व स्थापित कीजिए।
Establish the मिथ्यात्व of जगत् according to अद्वैतवेदान्त.

24. अद्वैतवेदान्तानुसारेण प्रधानकारणवादं निरस्यत।
अद्वैतवेदान्त के अनुसार प्रधानकारणवाद का खण्डन कीजिए।
Refute प्रधानकारणवाद in accordance with अद्वैतवेदान्त.

25. अद्वैतवेदान्ताभिमतं मोक्षं निरूपयत।
अद्वैतवेदान्त-अभिमत मोक्ष का निरूपण कीजिए।
Discuss मोक्ष as accepted by अद्वैतवेदान्त.

खण्डम् – IV
खण्ड – IV
SECTION - IV

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे चत्वारिंशदङ्कात्मकः (40) निबन्धाश्रेणीकः एकः प्रश्नोऽस्ति, यस्योत्तरं निम्नविषयेवु केवलमेकास्मेत प्रायः सहस्रमितैः (1000) शब्दैरपेक्ष्यते।

(40x1=40 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

26. संस्कृतभाषया कमप्येकं विषयमाश्रित्य निबन्धो लेखनीयः-

(क) अविवेकः परमापदां पदम्।

(ख) आतङ्कवादः।

(ग) वसुधैव कुटुम्बकम्।

(घ) आचारः परमो धर्मः।

(ङ) माता भूमिः।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....